

मूक पात्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष – 02 अंक – 239 बेमेतरा, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज – 08 मूल्य – 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्गा/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ में गुजराती श्रद्धालु की हृदय गति रुकने से मौत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ दर्शन के लिए आए गुजरात के एक बुजुर्ग यात्री की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। हृदय गति रुकने से मौत की आशंका है। बड़ोदरा (गुजरात) निवासी दिलीप भाई मनु माली (69) की सुबह केदारनाथ में अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तुरंत केदारनाथ अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव हेलिकॉप्टर से गुलाबराय मैदान लाया गया और यहां एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि प्राथमिक तौर पर मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है।

कश्मीर यूनिवर्सिटी का साइंटिस्ट रेप केस में गिरफ्तार

श्रीनगर। कश्मीर यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंसेज डिपार्टमेंट के एक वैज्ञानिक को रेप केस में गिरफ्तारी के बाद नौकरी से निलंबित कर दिया गया है। यूनिवर्सिटी के एडमिनिस्ट्रेशन टीचिंग सेक्शन की तरफ से जारी एक ऑर्डर में कहा गया कि सन्जाद मोहम्मद खान को हिरासत में लेने के बाद तुरंत सस्पेंड कर दिया गया। यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (वर्गाकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1956 के रूल 31 के तहत, महिला पुलिस स्टेशन रामबाग में दर्ज एफआईआर नंबर 11/2026 के संबंध में की गई। पुलिस ने बताया कि श्रीनगर के सौरा के रहने वाले खान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 के तहत मामला दर्ज किया गया है। 28 साल की महिला की शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने 2018 में उससे संपर्क किया और रिलेशनशिप में आ गया। महिला का आरोप है कि उसने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, उसने कहा कि वह कई बार प्रेग्नेंट हुई और उसके कहने पर प्रेग्नेंसी खत्म कर दी गई। महिला ने उस पर पैसे का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने मेडिकल जरूरतों समेत कई बहाने बनाकर उस पर पैसे का इंतजाम करने का दबाव डाला। महिला ने दावा किया कि उसने बड़गाम के कनिहामा इलाके में जमीन बेच दी, सोने के गहने बेच दिए।

बंगाल में 89 तो तमिलनाडु में 82 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव में मतदान थम गया है। पश्चिम बंगाल और पूरे तमिलनाडु में पहले चरण में हुई वोटिंग को लेकर वोटरों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। चुनाव आयोग ने शाम 5:00 बजे तक दर्ज किए गए अनुमानित वोटिंग रुझान जारी किए। इन आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु में लगभग 82.24 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई, जबकि पश्चिम बंगाल के पहले चरण में यह आंकड़ा लगभग 89.93 प्रतिशत रहा। चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में शाम 5:00 बजे तक कुल वोटिंग लगभग 89.93 प्रतिशतदर्ज की गई। जिला-वार आंकड़ों के आधार पर, वोटिंग इस प्रकार दर्ज की गई:

अलीपुरद्वार में लगभग 88.74 प्रतिशत, बांकुरा में 89.91 प्रतिशत, बोरभूम में 91.55 प्रतिशत, कूच बिहार में 92.07 प्रतिशत, दक्षिण दिनाजपुर में 93.12 प्रतिशत, दार्जिलिंग में 86.49 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 91.20 प्रतिशत, झाड़ग्राम में 90.53 प्रतिशत, कलम्योंग में 81.98 प्रतिशत और मालदा में 89.56 प्रतिशत। इसके अलावा, मुर्शिदाबाद में 91.36 प्रतिशत, पश्चिम बर्धमान में 86.89 प्रतिशत, पश्चिम मेदिनीपुर में 90.70 प्रतिशत, पूर्वी मेदिनीपुर में 88.55 प्रतिशत, पुरूलिया में 87.35 प्रतिशत और उत्तर दिनाजपुर में 89.74 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। तमिलनाडु चुनाव की बात करें तो, चुनाव आयोग के अनुसार, राज्य में शाम 5:00 बजे तक कुल वोटिंग प्रतिशत लगभग 82.24 प्रतिशत दर्ज



किया गया। जिला-वार आंकड़ों के आधार पर, मतदाताओं की भागीदारी इस प्रकार दर्ज की गई: अरियालुर में लगभग 83.09 प्रतिशत, चेंगलपट्टु में 82.41 प्रतिशत, चेन्नई में 81.34 प्रतिशत, कोयंबटूर में 82.33 प्रतिशत, कुड्डलोर में

89.32 प्रतिशत, कृष्णागिरी में 82.40 प्रतिशत, मदुरै में 77.89 प्रतिशत, मयिलादुथुराई में 78.41 प्रतिशत, नागपट्टिनम में 83.15 प्रतिशत, नामक्कल में 87.63 प्रतिशत, पेरम्बलुर में 82.75 प्रतिशत, और पुदुकोट्टई में 81.55 प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी दर्ज की गई। वहीं, रामनाथपुरम में 74.41 प्रतिशत, रानीपेट में 86.28 प्रतिशत, सेलम में 88.02 प्रतिशत, शिवगंगा में 74.44 प्रतिशत, तेनकासी में 79.28 प्रतिशत, तंजावुर में 78.07 प्रतिशत, नीलगिरी में 75.90 प्रतिशत, थेनी में 78.73 प्रतिशत, तिरुवन्नूरु में 80.70 प्रतिशत, और तिरुवरूर में 80.65 प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी दर्ज की गई। इसके अलावा, थूथुकुडी में 77.56 प्रतिशत।

बीजेपी प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी पर हमला टीएमसी समर्थकों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पश्चिम बंगाल के पहले चरण का मतदान जारी है। पहले चरण के मतदान के दौरान व्यापक हिंसा हुई है। मुर्शिदाबाद में हुमायूँ कबीर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने पथरों और लाठी-डंडे से हमला किया। वहीं मालदा में चुनाव अधिकारियों से हाथपाई और जामुड़िया में लावारिस गाड़ी में ईवीएम मिलने जैसे मामले सामने आए। अब दक्षिण मिदनापुर में बीजेपी प्रत्याशी पर हमला हुआ है। दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा केडिडेंट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने दौड़ा-दौड़ाकर सुवेंदु सरकार को पीटा। इस दौरान सुवेंदु जान बचाने के लिए भागते रहे। सुवेंदु सरकार पर हमले का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिविलीटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है।

झालमुड़ी मैंने खाई, मिर्ची टीएमसी को लगी

पीएम मोदी ने कहा-चार मई को बंगाल में बंटेगी मिठाई..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नंदिया जिले के कृष्णानगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग की जमकर तारीफ की और टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं कह सकता हूँ कि पिछले 50 वर्षों में यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें हिंसा बिल्कुल न्यूनतम स्तर पर है।' उन्होंने कहा कि पहले तो हर हफ्ते किसी को फांसी पर लटका देना और उसे



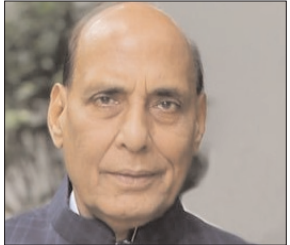
आत्महत्या बता देना आम बात थी। यहां अराजकता और गुंडागर्दी का राज था। मैं चुनाव आयोग को हार्दिक बधाई देता हूँ, उन्होंने एक बार फिर बंगाल की धरती पर लोकतंत्र की गरिमा स्थापित की है। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'मैं यहां के सरकारी

कर्मचारियों की भी सराहना करता हूँ। मुझे अब तक मिली जानकारी के आधार पर, मतदान पिछले सभी रिकार्ड तोड़ रहा है।' उन्होंने कहा कि कृष्णानगर में आज भय पर भरोसे की विजय का विश्वास दिख रहा है। बरसों से जिनकी आवाज को दबाकर रखा गया था, वो अब एक सुर में बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तंज कसते हुए कहा, 'झालमुड़ी मैंने खाई और मिर्ची टीएमसी को लग रही है।' उन्होंने कहा कि टीएमसी के विधायकों, मंत्रियों, स्थानीय नेताओं और उनके सिंडिकेट के खिलाफ इतना गुस्सा है कि टीएमसी कई शहरों में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी।

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई ताकत

जर्मनी संग रक्षा सह-उत्पादन रोडमैप तैयार

नई दिल्ली। भारत और जर्मनी के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंधों को एक नई दिशा देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में महत्वपूर्ण बैठक की। तीन दिवसीय जर्मनी यात्रा पर पहुंचे राजनाथ सिंह ने भारतीय और जर्मन रक्षा उद्योग के दिग्गजों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस मुलाकात का मुख्य केंद्र बिंदु रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और सह-प्राौद्योगिकी उत्पादन रहा। यह बैठक रक्षा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अब केवल हथियारों का खरीदार बनकर नहीं रहना



चाहता, बल्कि वह जर्मनी जैसी तकनीकी शक्तियों के साथ मिलकर उन्नत सैन्य प्लेटफॉर्म विकसित करना चाहता है। राजनाथ सिंह ने जर्मन कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत की उदार निवेश नीतियों और रक्षा क्षेत्र में किए गए व्यापक सुधारों का लाभ उठाएं।

नहर में गिरा सरिया से लदा ट्रक, कटर मशीन से निकाले गए शव

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जहां सरिया से लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सीधे नहर में जा गिरा। हादसे में ट्रक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में चालक, क्लीनर और एक मजदूर शामिल बताए जा रहे हैं। यह पूरी घटना रामपुर बधेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-39 की है। बधेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-39 पर नेमुआ मोड़ के पास दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जहां सरिया से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नहर में गिर गया। इस हादसे में ट्रक चालक, क्लीनर और एक मजदूर की जान चली गई।

टिहरी में बड़ा हादसा

हरिद्वार अंत्येष्टि से घनसाली लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त आठ लोगों की मौत-2 घायलों का सफल रेस्क्यू किया

टिहरी/ एजेंसी

हरिद्वार अंत्येष्टि से घनसाली लौट रहा वाहन चंबा-कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल के पास अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना का पता चलते ही चंबा थाना पुलिस हरही खाई में गिर गया। घटना का पता चलते ही चंबा थाना पुलिस पर पहुंची। पुलिस टीम ने खाई में उतर कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दो घायलों को खाई से निकालकर जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया जबकि वाहन सवार आठ अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वाहन दुर्घटना की

अंत्येष्टि में गए थे। लौटते समय दोपहर करीब 2.15 बजे वाहन चंबा-कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल गांव के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। घटना का पता चलते ही चंबा थाना पुलिस पर पहुंची। पुलिस टीम ने खाई में उतर कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दो घायलों को खाई से निकालकर जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया जबकि वाहन सवार आठ अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वाहन दुर्घटना की



सूचना मिलने पर डीएम नितिका खंडेलवाल, विधायक किशोर उपाध्याय, एसएसपी श्वेता चौबे और सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने

मास्टर निवासी ग्राम लोस्तू बडियारगढ़ कीर्तिनगर टिहरी गढ़वाल और अंकित लाल (22) पुत्र आशा लाल निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना टिहरी को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। जबकि मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजे गए हैं। सीएमएस डॉ. अमित राय ने कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद अंकित को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है जबकि उत्तम की स्थिति खतरे से बाहर है। दुर्घटना वाले स्थान पर

काफ़ी ढलान और तीखा मोड़ है लेकिन दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने कहा कि घटना की जांच की जाएगी। इनकी गई जान 1- आशा लाल (40) पुत्र अषाडू निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना टिहरी। 2- विजय लाल (36) पुत्र भुरखिलिया निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना। 3- प्रेमलाल (60) पुत्र संतुलाल निवासी ग्राम चकरेड़ा घटनसाली 4- महावीर (60) पुत्र विशु लाल निवासी चकरेड़ा घनसाली। 5- शिव सिंह (35) पुत्र पुष्कर सिंह वाहन चालक ग्राम होल्टा घनसाली।

नितिन नबीन का बड़ा दावा

योगी के चेहरे पर हैट्रिक लगाएगी बीजेपी-नबीन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इस विधानसभा चुनाव के लिए अभी से राजनीतिक गलियारों में हलचल मची हुई है। हाल ही में समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दादरी से मिशन-2027 का आगाज किया था तो अब भाजपा ने भी अपनी चाल चल दी है। भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रमुख चेहरा तय कर लिया है। भाजपा पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन ने उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन



नबीन ने मीडिया इंटरव्यू में यह ऐलान कर दिया है कि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद के लिए बड़ा चेहरा होंगे। उनके नेतृत्व सरकार चल रही है। ऐसे में वहीं निश्चित रूप से पार्टी का चेहरा होंगे। ऐसा कह कर नितिन नबीन ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम पर मुहर लगा दी है।



संपादकीय

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के डैने आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।देश में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए विमान सेवाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। मगर इसके साथ-साथ हाल के वर्षों में उड़ानों में सुरक्षा चूक और तकनीकी खराबी की घटनाएं भी

चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। ऐसा लगता है कि अब तक हुए छोटे-बड़े हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया है।दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना ने एक बार फिर हवाई सफर की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्या वजह है कि एक के बाद एक सुरक्षा चूक के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार

उड़ान से पहले ही खतरा, फिर खोली हवाई सुरक्षा की परतें ?

के टोस एवं कारगर प्रयास धरातल पर नजर नहीं आते हैं?इस तरह की घटनाओं में विभागीय कार्रवाई संबंधित कर्मियों को निर्लांबित करने और जांच प्रक्रिया शुरू करने की औपचारिकता तक ही सीमित रह जाती है। चूक किस वजह से हुई और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी शायद ही कभी सार्वजनिक हो

पाती है।दरअसल, देश में विमान सेवाओं का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं हो पाया है। यह बात भी छिपी नहीं है कि विमानों की संख्या के मुकाबले पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और इंजीनियरों की व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इसके अलावा, सुरक्षा सावधानियों की अनदेखी और पुराने

उपकरणों का इस्तेमाल भी हादसों का कारण बनता है।यह विचित्र है कि विमान संचालन के प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह की बारीकियों को अनिवार्य माना जाता है, हवाई पट्टी पर उसे लेकर भी लापरवाही बरती गई। इससे स्पष्ट है कि जब हवाई अड्डे पर ही यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है, तो हवा में सफर के दौरान किस तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं, इसका

अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।हर हादसे की तरह इस मामले में भी एक वायु यातायात नियंत्रक और दो पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है, लेकिन सवाल है कि महज इस तरह की कार्रवाई से सुरक्षा चूक का स्थायी हल निकल पाएगा? जाहिर है जब तक समस्या की जड़ में जाकर उसे खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाएगा।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसरंचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं ।दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है । लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है । यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं ।

(नीरज कुमार दुवे)

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसरंचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

दोनों देशों के बीच हुए 15 करार इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रेक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा



द देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग होलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्रांतिम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्रांतिम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में

भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग होलिडे कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

वैश्विक परिदृश्य पर क्या असर पड़ेगा?

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है,

जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेल, गैस...भारत का दिल देखो, मुसीबत में एक नहीं अनेक देशों को कर रहा मदद



(अभिनय आकाश) ।

बात भूटान की हो, नेपाल की हो, श्रीलंका की हो, मॉरिसिस की हो, हर जगह भारत ने उनकी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने का काम किया है। पड़ोसी कई एक पड़ोसी मुल्क से हमारे पास उनकी तरफ से अनुरोध आया है कि हम उनको ऊर्जा सामग्री उनको उपलब्ध कराएं। कई एक देशों को भारत ऊर्जा सामग्री उपलब्ध करा रहा है। लेकिन इस दरमियान भारत की अपनी जरूरतें हैं उसको महेनजर रखते हुए और किस प्रकार की यहां पर उपलब्धि है उसको महेनजर रखते हुए किया जा रहा है। भारत ने बांग्लादेश को 22,000 मेट्रिक टन हाई स्पीड डीजल मार्च के महीने में मुहैया कराया था और साथ ही साथ इस महीने भी हमारे जो उनको ऊर्जा सामग्री और डीजल दी जाती है वह भी उनको दिया जा रहा है।

पुरी दुनिया के सामने ऊर्जा संकट है। यूरोप से लेकर अफ्रीका और अफ्रीका से लेकर एशियाई देश हर कोई ऊर्जा संकट के लिए परेशान है। वजह साफ है अमेरिका ईरान जंग के कारण स्टेट ऑफ हार्मोस बंद और फिर इससे पूरे दुनिया के ग्लोबल सप्लाय चैन पर असर। ऐसे में भारत के पड़ोसी देश मुसीबत में हैं तो क्या भारत इनका साथ छोड़ देगा? जवाब है नहीं। यही जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय से सामने आई है। बात भूटान की हो, नेपाल की हो, श्रीलंका की हो, मॉरिसिस की हो, हर जगह भारत ने उनकी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने का काम किया है। पड़ोसी कई एक पड़ोसी मुल्क से हमारे पास उनकी तरफ से अनुरोध आया है कि हम उनको ऊर्जा सामग्री उनको उपलब्ध कराएं। कई एक देशों को भारत ऊर्जा सामग्री उपलब्ध करा रहा है। लेकिन इस दरमियान भारत की अपनी जरूरतें हैं उसको महेनजर रखते हुए और किस प्रकार की यहां पर उपलब्धि है उसको महेनजर रखते हुए है।

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ‘चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी’, इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है।

(प्रो. संजय द्विवेदी)

समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजोह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ‘चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी’, इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास



हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयीं। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौरफरा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना संभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के

साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी टोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छल्लांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयीं? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह

बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं। हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज की उसकी सामर्थमिकता नहीं है। हमारे नारबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिंताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिंताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामाणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के सामने आज उपस्थित हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

रसवी’ के लॉन्च के साथ रामा वर्ल्ड ने द नेबरहुड को क्यूरेटेड प्रीमियम फूड डेस्टिनेशन के रूप में किया स्थापित

रायपुर। रसवी, एक लग्जरी कन्फेक्शनरी ब्रांड, ने रामा वर्ल्ड में अपने पहले फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यह लॉन्च न केवल प्रीमियम मिठाइयों और गिफ्टिंग सेगमेंट में एक नई शुरुआत है, बल्कि रामा वर्ल्ड के विकसित हो रहे द नेबरहुड फूड स्ट्रीट का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रसवी को पारंपरिक स्वीट शॉप मॉडल से आगे बढ़ाकर एक डिज़ाइन-आधारित रिटेल कॉन्सेप्ट के रूप में विकसित किया गया है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं—जैसे प्रीमियम अनुभव, आकर्षक प्रस्तुति और क्यूरेटेड चयन—को ध्यान में रखता है। इस एक्सपीरियंस सेंटर में हाई-एंड इंटीरियर्स, बूटीक-स्टाइल डिस्प्ले और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैकेजिंग एस्थेटिक्स देखने को मिलती हैं। यहां कन्फेक्शनरी और डेज़र्ट्स की एक विशेष रेंज उपलब्ध है, जिसमें क्वचर चॉकलेट्स, इंडियन फ्यूजन स्वीट्स, पारंपरिक मिठाइयाँ, पेस्ट्री, डेज़र्ट्स और कैफे-स्टाइल बेवरेज शामिल हैं। यह मिश्रण पारंपरिक स्वाद और आधुनिक प्रस्तुति का एक संतुलित अनुभव प्रदान करता है। रसवी गिफ्टिंग सेगमेंट में भी एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। ब्रांड फेस्टिव हैम्पर्स, बेडिंग कलेक्शन्स, कॉर्पोरेट गिफ्ट बॉक्सस और कास्टमाइज़्ड चॉकलेट असॉर्टमेंट्स पेश करता है, जिन्हें प्रीमियम पैकेजिंग और आकर्षक डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है।

द नेबरहुड, एक नया फूड डेस्टिनेशन रामा वर्ल्ड, विधान सभा रोड, रायपुर में विकसित किया गया द नेबरहुड एक जीवंत फूड स्ट्रीट है, जहां विविध और क्यूरेटेड फूड एक्सपीरियंस एक साथ लाए जा रहे हैं। रसवी इसी द नेबरहुडका हिस्सा है, जो इस स्पेस को प्रीमियम मिठाइयों और डेज़र्ट्स का एक विशेष आयाम देता है। वर्तमान में यहां चौपाटी शुरू हो चुकी है, जो शुद्ध शाकाहारी स्ट्रीट फूड को साफ-सफाई और लग्जरी अनुभव के साथ परोसती है। यहां ग्राहक अपने दैनिक स्वाद के लिए आरामदायक चाट से लेकर एशियन बाइट्स और ताजगी भरे मॉकटेल्स का आनंद ले सकते हैं—वह भी एक व्यवस्थित, स्वच्छ और प्रीमियम वातावरण में।

चौपाटी का समय सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक है। आने वाले समय में इस द नेबरहुड में कॉफन कैफे, साउथ इंडियन टेबल, नॉर्थ इंडियन टेबल और ज़ाज़ा पिज़्ज़ा जैसे नए आउटलेट्स भी खुलने वाले हैं, जो इसे रायपुर का एक प्रमुख फूड और लाइफ़स्टाइल डेस्टिनेशन बनाएंगे। रसवी के लॉन्च और नेबरहुड की शुरुआत के साथ, रामा वर्ल्ड तेज़ी से एक ऐसे वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जहां प्रीमियम रिटेल, गिफ्टिंग और फूड एक्सपीरियंस का एक संतुलित और आधुनिक संगम देखने को मिलता है।

इस अवसर पर रामा रूप के डायरेक्टर, प्रखर अग्रवाल ने कहा, रामा वर्ल्ड को एक संपूर्ण डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है, जहां अनुभव-आधारित रिटेल और लाइफ़स्टाइल ऑफ़रिंग्स एक साथ मिलती हैं। ‘ द नेबरहुड’ इसी दृष्टि का विस्तार है, और रसवी इस फूड स्ट्रीट में एक प्रीमियम कन्फेक्शनरी एंकर के रूप में जुड़ता है, जो ग्राहकों को एक अलग और उन्नत अनुभव प्रदान करेगा।

सैमसंग ने द डेविल वियर्स प्राडा 2 को सिनेमाघरों में रिलीज

आज सैमसंग ने 20th सेंचुरी स्टूडियोज की फिल्म डेविल वियर्स प्राडा 2 की थिएटर में आगामी रिलीज का जश्न मनाने के लिए एक वैश्विक सहयोग की शुरुआत की है, जिसमें एक विशेष विज्ञापन दिखाया गया है। इस विज्ञापन में हेलेन जे. शेन अपने जिन के किरदार में नजर आ रही हैं, जो नए गैलेक्सी S26 अल्ट्रा पर गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फ़ीचर का उपयोग करके मिरांडा प्रेस्टली की आखिरी समय की एक मांग को बड़ी ही कुशलता से पूरा करती हैं।

इस वैश्विक साझेदारी के तहत, द डेविल वियर्स प्राडा 2 के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान रेड कार्पेट पर गैलेक्सी S26 अल्ट्रा का जलवा देखने को मिला। एक ऐसी गतिविधि में, जो मिरांडा प्रेस्टली को भी गौरवान्वित कर दे, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा का उपयोग उपस्थित लोगों के शानदार रेड कार्पेट लुक्स को कैद करने के लिए किया गया।

यह पहली बार था जब #withGalaxy रनवे कैम का उपयोग किया गया, जिसने विनेमाई और सोशल मीडिया के लिए तैयार पेशेवर-स्तर का शानदार फुटेज दिया।

हेडडी क्लम, पेज डिस्बोर्न, हन्ना बर्नर, हेलेन शेन और विनी हालों जैसे सितारों ने अपने यादगार लुक्स को कैद करने के लिए S26 अल्ट्रा फ़ोटो-ऑप में पोज़ दिए। S26 अल्ट्रा यूजर और इन्फ्लुएंसर हेली कलील (@hayleebaylee) ने भी इस फ़ोटो अनुभव में भाग लिया।

हेली ने कहा, मुझे द डेविल वियर्स प्राडा बहुत पसंद है और टीम गैलेक्सी की सदस्य होने के नाते मुझे अपना गैलेक्सी S26 अल्ट्रा बहुत पसंद है। इन दो दुनियाओं को यहां रेड कार्पेट पर मिलते देखना और इस फिल्म को पसंद करने वाले समुदाय के साथ अपने पसंदीदा गैलेक्सी s26 सीरीज के फ़ीचर्स साझा करना मेरे लिए सबसे अच्छा अनुभव रहा है।

पहलाजानी संस्थान का महिला स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेर:- काँकेर भारत की प्रसिद्ध महिला चिकित्सा संस्थान एवं नि: संतानता तथा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर पहलाजानी का आज काँकेर में एक दिवसीय कार्यक्रम पूर्णतः सफल रहा। जिसमें स्थानीय लोकप्रिय समाज सेवी संस्था सुनहरे कदम सिंधी महिला विंग तथा प्रदेश की प्रसिद्ध संस्था जन सहयोग ने आयोजन में उल्लेखनीय सक्रिय भाग लिया। पहलाजानी संस्थान की नि: संतानता विशेषज्ञ डॉक्टर गजेंद्र तथा अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टर निकिता गोकलानी एवं डॉक्टर मुस्कान लालवानी ने भी अपनी विशिष्ट सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डिप्टी कलेक्टर रानू मैथ्यूज़, मैडम, अध्यक्ष नगर पालिका अरुण कौशिक, विजय लक्ष्मी कौशिक, पार्षद मीरा सलाम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रीना लारिया, हर्षा कोठारी, बब्बू हितेश खटवानी, कनक जोशी, एकता कोठारी, उपस्थित थे। विघ्न विनाशक गणपति तथा झूलैलाल साई के



समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पण्णू मोटवानी के अलावा धर्मेन्द्र देव, जितेंद्र प्रताप देव, राजकुमार फन्नयानी, राजू पंजाबी, राजा देवनानी, दिलीप खटवानी, ध्यानचंद केवल-रामानी, समाज के मुखी राकेश आहूजा ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा

की। सिंधु समाज की महिला विंग संस्था सुनहरे कदम की अध्यक्ष सुनीता मोटवानी, कोमल लच्छानी, पायल बुधवानी, रेशम भुधवानी, कविता जवरानी, नेहा भाषवानी, विमला गिडलानी, विनीता वाधवानी, रेशम वत्पानी, महक रवानी, प्रिया अहूजा, सुमन आहूजा, भावना मंगलानी, विजया असरानी आदि ने



उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में आधार प्रदर्शन करते हुए जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पण्णू मोटवानी ने कहा कि भारत प्रसिद्ध इतनी बड़ी संस्था पहला जानी द्वारा काँकेर जैसे छोटे क़स्बे में अपना निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर स्थापित कर विशेष सेवाएं देना हम सब के लिए गौरव का विषय है। हम सब आपको सेवाओं का सम्मान करते हुए

हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं तथा आशा करते हैं कि भविष्य में भी समय-समय पर आपकी टीम का आगमन इस क्षेत्र में होता रहेगा। आज शहर में दिनभर उपर्युक्त निःशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर की चर्चा आम रही तथा नागरिकों ने पहलाजानी संस्थान सुनहरे कदम तथा जन सहयोग समाजसेवी संस्था की मुक कंठ से प्रशंसा की।

चारामा पुलिस का ‘उजियारा अभियान’: 10 वारदातों को अंजाम देने वाला आदतन अपराधी गांजे के साथ गिरफ्तार

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेर :- चारामा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफकांकेर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ‘उजियारा अभियान’ के तहत चारामा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घेराबंदी कर एक ऐसे शातिर आरोपी को दबोचा है, जिस पर जुआ, मारपीट और दुष्कर्म जैसे करीब 10 गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। मुखबिर की सूचना पर महुआ



मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। सवा किलो गांजा जब्त,

कीमत हजारों में तलाशी लेने पर आरोपी गुलाब सिन्हा (पिता सुरेश सिन्हा, उम्र 30 वर्ष) के पास मौजूद थैले से 01 किलो 30 ग्राम

दिव्यांगजनों के लिए केंवटी में प्रशासन की संवेदनशील पहल

चिन्हांकन शिविर में दिव्यांग आवेदकों से 250 आवेदन प्राप्त हुए

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेर:- उत्तर बस्तर कांकेर 23 अप्रैल 2026 जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण की संवेदनशील पहल पर केंवटी (भानुप्रतापपुर) में समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के माध्यम से आयोजित शिविर में दिव्यांगजन प्रमाणिकरण, नवीनीकरण, यूटीआईडी कार्ड, सहायक उपकरण नकली हाथ-पैर के लिए उपस्थित हुए। कलेक्टर के निर्देशानुसार इस शिविर में 250 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों के चिन्हांकन, मेडिकल प्रमाण पत्र, नकली हाथ-पैर हेतु चिन्हांकन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन आदि किया जा रहा है। उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि हितग्राहियों को पात्रता



अनुसार सहायक उपकरण भी प्रदाय किये गये है। शिविर में समाज कल्याण की विभागीय टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक, मेडिकल बोर्ड एवं एलिम्को टीम उपस्थित रही। सहायक उपकरण मिलने

तथा मेडिकल प्रमाणीकरण होने से दिव्यांगजन ने शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा शिविर में जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर की पेंशन शाखा द्वारा पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन भी किया गया।

आकाश एजुकेशनल भिलाई ने जेईई मेन 2026 में शानदार प्रदर्शन किया

भिलाई के देव मोटवानी 99.91 पर्सेंटाइल के साथ टॉप स्कोरर बने

भिलाई : आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल), भिलाई के विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निरंतर शैक्षणिक उपलब्धियों और सभी बैचों में उच्च स्तर की तैयारी का परिचय दिया। जेईई मेन 2026 (सत्र 2) में आकाश संस्थान, भिलाई के विद्यार्थियों ने सराहनीय परिणाम अर्जित किए, जिसमें अनेक विद्यार्थियों ने उच्च पर्सेंटाइल प्राप्त किए। इस समूह में देव मोटवानी अग्रणी रहे, जिन्होंने 99.91 पर्सेंटाइल हासिल किया तथा ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 1437 प्राप्त कर भिलाई के शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरे। एनटीए द्वारा 20 अप्रैल 2026 को घोषित परिणामों के अनुसार,

आकाश इंस्टीट्यूट, भिलाई ने जेईई मेन 2026 (सत्र 2) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईईएसएल के रीजनल डायरेक्टर श्री अजय बहादुर सिंह ने कहा, देशभर में हमारे स्टूडेंट्स का प्रदर्शन उनकी डेडिकेशन, डिस्प्लिन और आकाश के मजबूत लर्निंग सिस्टम को दिखाता है। स्ट्रुद्ध अकादमिक प्रोग्राम्स और एक्सपर्ट मेंटoring के साथ उनके लगातार प्रयासों ने उन्हें शानदार रिजल्ट हासिल करने में मदद की है। हम सभी स्टूडेंट्स को बधाई देते हैं और उनके आगे के सफ़र के लिए शुभकामनाएं देते हैं। स्टूडेंट्स ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित प्रैक्टिस, कड़े ट्रेनिंग सेशन, समय पर मिली मेंटoring और रेगुलर असेसमेंट्स को दिया, जिससे वे अपनी कमियों को समय रहते पहचानकर लगातार सुधार कर सके।

दैनिक मालिश की परंपरा के माध्यम से शक्ति प्रदान करने में सहायक अश्वगंधा और बला की भूमिका को किया रेखांकित

रायपुर : भारत के सबसे भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक, हिमालया बेबीकेयर, जिसे बच्चे बहुत पसंद करते हैं, ने हिमालया बेबी मसाज ऑयल के लिए एक नया डीवीसी (डिजिटल वीडियो विज्ञापन) जारी किया है जो बचपन के शुरुआती दौर पर एक ताजगी भरा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है और माता-पिता को याद दिलाता है कि शिशु होना जितना आसान दिखता है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। यह फिल्म उन रोज़मर्रा के प्रयासों का उत्सव मनाती है जो शिशु मजबूत बनने के लिए करते हैं, साथ ही दैनिक मालिश को एक पोषणकारी परंपरा के रूप में रेखांकित करती है, जो उनकी ताकत, विकास और समग्र कल्याण का समर्थन करती है। यह फिल्म एक शिशु के मनमोहक

दृष्टिकोण से आगे बढ़ती है, जो बताता है कि शिशु होना कितना चुनौतीपूर्ण होता है। जहां वयस्कों को लगता है कि शिशु दिनभर आराम करते हैं, यह कहानी हास्यपूर्ण ढंग से उनकी व्यस्त दिनचर्या को उजागर करती है – अपने आसपास की दुनिया को देखना, नई चीजें सीखना, वजन बढ़ना और यहां तक ​​कि उनके पहले दांत निकलना। इस रोचक प्रस्तुति के माध्यम से फिल्म यह संदेश देती है कि बड़ा होना शिशुओं के लिए एक पूर्णकालिक काम है। इस संरेषण के केंद्र में हिमालया बेबी मसाज ऑयल है, जो अश्वगंधा और बला सहित प्राकृतिक अयुर्वों के गुणों से समृद्ध है, जिन्हें पारंपरिक रूप से ताकत और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। यह फिल्म दैनिक मालिश को शिशु की दिनचर्या का एक आवश्यक हिस्सा मानती है, जो शुरू से ही ताकत को पोषित करने और स्वस्थ विकास में सहायक होती है। हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक एनवी चक्रवर्ती ने कहा, ऋहिमालया बेबीकेयर में, हम मानते हैं कि

एक शिशु का विकास देखभाल और जुड़ाव के उन रोज़मर्रा के क्षणों से आकार लेता है जिनका वह अनुभव करता है। शिशु की मालिश एक समय की कसौटी पर खरी उतरी परंपरा है, जो न केवल शिशु को शारीरिक रूप से मजबूत बनाती है, बल्कि माता-पिता और शिशु के बीच जुड़ाव को गहरा करती है, भावनात्मक संबंध को पोषित करती है और समग्र स्वास्थ्य में योगदान देती है। इस डीवीसी के माध्यम से, हमारा उद्देश्य माता-पिता के स्पर्श की शक्ति का उत्सव मनाना और इस बात को दिखाना था कि दैनिक मालिश जैसी सरल और नियमित आदतें शिशु की ताकत और सर्वांगीण विकास में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। समय की कसौटी पर खरे उतरे प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से समृद्ध हमारे बेबी मसाज ऑयल के साथ, हम अपने शिशु के स्वस्थ विकास के लिए सौम्य, सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हैं, जिस पर माता-पिता भरोसा कर सकें।

भाजपा सरकार श्रमिकों के अधिकार को छीन रही है

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेर :- कांकेर प्रदेश की भाजपा सरकार निर्माण मजदूरों के अर्जित अधिकारों को छीन रही है। उक्त आरोप राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवचन्द भास्कर ने आज एक प्रेस बयान जारी कर लगाया। नेता ने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार सत्ता पर काबिज हुई है तब से निर्माण मजदूरों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं को संकुचित करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पहले मजदूर के पंजीयन होने के 90 दिनों के बाद ही योजनाओं का लाभ मिल जाता था। उसके बाद 90 दिन को बढ़ाकर 365 दिन किया गया था, कि पंजीयन के 365 दिन बाद मजदूरों को लाभ मिलेगा, लेकिन अब विष्णुदेव

साय 29 की सरकार ने तीन साल बाद से योजनाओं का लाभ मिलने का नियम बनाया जो पूरी तरह से भाजपा की मजदूर विरोधी चेहरा को उजागर करता देता है। उन्होंने समर्थन से इस तुगलगी फरमान को तुरंत वापस लेने की मांग किया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि मजदूरों के योजनाओं के पैसै से मंत्री विज्ञापन में अपने मुस्कुराते हुए चेहरे को लोगों को दिखाते रहते है लेकिन मंत्री के उस मुस्कुराते हुए चेहरे के पीछे मजदूरों की बहते हुए आंसू छिपा होता है। मजदूर नेता ने कहा कि पंजीयन के तीन साल बाद योजनाओं का लाभ देने का आदेश यह साबित करता है कि यह सरकार मजदूरों को योजनाओं का कोई भी लाभदेना ही नहीं चाहता है।

